SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-02| December- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i2.16

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

राम औतार सिंह[1] एवं प्रो0 (डॉ.) प्रभात शुक्ल[2]
शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
प्रोफेसर, शिक्षक–शिक्षा विभाग, स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

सारांशः– *शैक्षिक रुचि वह मानसिक झुकाव या प्रवृत्ति है जो व्यक्ति को किसी विशेष शैक्षिक विषय की ओर आकर्षित करती है। यह रुचि अध्ययन, शोध, प्रयोग, विश्लेषण, और चर्चा के रूप में प्रकट हो सकती है। विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि परिवार, विद्यालय, समाज तथा राष्ट्र से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होती है। इनमें से विद्यालय का वातारण उनकी शैक्षिक रूचि पर अधिक प्रभाव डालता हैं। क्योंकि विद्यार्थियों की अधिकतर शैक्षिक गतिविधियाँ विद्यालयी वातावरण में रहकर ही होती हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना है। अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए शोधार्थी ने न्यादर्श के रूप में शाहजहाँपुर महानगर क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के कक्षा–10 के 163 विद्यार्थियों को स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन विधि के माध्यम से चयनित किया। शैक्षिक रूचि के मापन हेतु डॉ. एस.पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित तथा मानकीकृत शैक्षिक रूचि प्रपत्र (2012) तथा विद्यालय वातावरण के मापन हेतु डॉ. के.एस. मिश्रा द्वारा निर्मित तथा मानकीकृत विद्यालय वातावरण मापनी (2016) का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन तथा टी–अनुपात सांख्यिकीय तकनीकियों का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (उच्च/मध्यम) का आंशिक रूप से प्रभाव पड़ता है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (मध्यम/निम्न) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (निम्न/उच्च) का आंशिक रूप से प्रभाव पड़ता है।*

मुख्य शब्दः– माध्यमिक स्तर, शैक्षिक रूचि, विद्यालय वातावरण।

भूमिकाः–

शिक्षा बालक के जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त तक निरन्तर चलने वाली एक गतिशील प्रक्रिया है और इसके माध्यम से ही बालक सीखता रहता है। यह सीखना ही उसकी शिक्षा है। बालक सीखने से ही अपने ज्ञान व अपने अनुभव में वृद्धि करता है। बालक स्वयं से, परिवार व परिवार के सदस्यों से, समाज व समाज के सदस्यों से, मित्र मंडली और विद्यालय प्रांगण में कुछ न कुछ सीखता रहता है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए समस्याओं के प्रभावी समाधान तथा नवीन संसाधनों का सफल उपयोग सर्वाधिक महत्वपूर्ण है जो केवल तभी संभव हो सकता है जब देश में

योग्य और प्रशिक्षित मानवीय संसाधन उपलब्ध हों। आज के समय में हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था प्रमुख रूप से तीन स्तरों– प्राथमिक स्तर, माध्यमिक स्तर तथा उच्च स्तर पर संचालित होती है जो राष्ट्र के संपूर्ण शैक्षणिक ढाँचे का आधार बनते हैं। यदि प्राथमिक शिक्षा सामाजिक जीवन का प्रवेश द्वार है तो माध्यमिक शिक्षा सामाजिक समायोजन की मजबूत नींव है और उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता, समस्या समाधान और सिद्धान्त निर्माण की क्षमता प्रदान करती है। माध्यमिक शिक्षा को हाईस्कूल स्तर तथा उच्च माध्यमिक शिक्षा को इण्टरमीडिएट कहा जाता है जिसे सामान्य शिक्षा की संज्ञा दी गई है और यह संपूर्ण देश में समान रूप से लागू है। माध्यमिक स्तर की शिक्षा बालक के जीवन के उद्देश्य को स्पष्ट करके उसके भविष्य की दिशा निर्धारित कर देती है जिसके आधार पर वह उच्च माध्यमिक स्तर पर अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार किसी विशिष्ट संकाय और पाठयक्रम का चयन करता है। माध्यमिक स्तर पर प्राप्त शैक्षणिक सफलता उच्च माध्यमिक स्तर की दिशा निर्धारित करती है, तथा उच्च माध्यमिक स्तर की उपलब्धि विद्यार्थी के संपूर्ण भविष्य जीवन की दिशा निर्दिष्ट कर देती है।

रूचि व्यक्ति के व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण घटक है जो उसके अध्ययन, व्यवसाय, सामाजिक संबंधों और संपूर्ण जीवन को प्रभावित करता है। किसी व्यवसाय में सफलता केवल उसमें अभिवृत्ति अथवा अभिक्षमता रखने से नहीं मिल सकती जब तक कि उसमें रुचि न हो। किसी विद्यार्थी में बुद्धि, मानसिक योग्यता तथा अभिवृत्ति कितनी ही क्यो न हो रुचि के अभाव में सब व्यर्थ है।

रॉस (1979) रूचि को परिभाषित करते हुए कहते हैं कि ''किसी अन्य कार्य की तुलना में एक कार्य को पसन्द करना ही रुचि कहलाती है।''

क्रो एण्ड क्रो ने रूचि अपने शब्दों में व्यक्त करते हुए कहा है कि ''रुचि एक प्रेरक शक्ति है, जो हमें किसी व्यक्ति, वस्तु या क्रिया के प्रति ध्यान देने के लिए प्रेरित करती है।''

शैक्षिक रुचि का तात्पर्य उस विषय, क्षेत्र या ज्ञान के क्षेत्र से है, जिसमें किसी व्यक्ति की विशेष जिज्ञासा, उत्सुकता, और अध्ययन करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। यह वह विषय होता है जिसमें व्यक्ति गहराई से सीखना चाहता है उसमें अनुसंधान करना चाहता है और जिसका अध्ययन उसे आनंद और संतुष्टि देता है।

शैक्षिक रुचि वह मानसिक झुकाव या प्रवृत्ति है जो व्यक्ति को किसी विशेष शैक्षिक विषय की ओर आकर्षित करती है। यह रुचि अध्ययन, शोध, प्रयोग, विश्लेषण, और चर्चा के रूप में प्रकट हो सकती है।

विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि परिवार, विद्यालय, समाज तथा राष्ट्र से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होती है। इनमें से विद्यालय का वातारण उनकी शैक्षिक रूचि पर अधिक प्रभाव डालता हैं। क्योंकि विद्यार्थियों की अधिकतर शैक्षिक गतिविधियाँ विद्यालयी वातावरण में रहकर ही होती हैं। जिस प्रभाव उनकी शैक्षिक रूचि पर पड़ता है। विद्यालय वातावरण से आशय उन समस्त उद्दीपकों और कारकों से है जो विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को प्रभावित करते हैं और उनके शारीरिक तथा मानसिक विकास को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। विद्यालयों का वातावरण मुख्यतः दो प्रकार का होता है – प्रथम, भौतिक वातावरण जिसमें वे सभी मूर्त और दृश्यमान वस्तुएँ सम्मिलित हैं जिन्हें हम देख सकते हैं और स्पर्श कर सकते हैं जैसे– पुस्तकें, कॉपियाँ, डेस्क, कुर्सियाँ, श्यामपट्ट, कंप्यूटर, विद्यालय भवन आदि। दूसरा मनोवैज्ञानिक वातावरण जो विद्यार्थियों के आंतरिक व्यवहार, भावनाओं और सोच पर प्रभाव डालता है। विद्यालय में छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण की उपस्थिति या अनुपस्थिति बालकों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और क्रियात्मक विकास पर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है।

सम्बन्धित साहित्यः–

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

1. अध्ययन विषय से सम्बन्धित विभिन्न शोधार्थियों द्वारा पूर्व में अध्ययन किये गये जिनमें से कौशिक, प्रियांगी (2025) अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि नियंत्रित समूह और प्रयोगात्मक समूह के मध्य त्रिकोणमिति विषय में रूचि के औसत में सार्थक अन्तर था। कुमारी, रेनू (2025) निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि सरकारी और गैर–सरकारी विद्यालयों के छात्रों के समायोजन स्तर तथा विद्यालयी वातावरण में सार्थक अंतर विद्यमान है। साथ ही, अध्ययन में विद्यालय वातावरण एवं विद्यार्थियों के समायोजन के मध्य सकारात्मक सह–संबंध पाया गया। कुमार, संदीप (2024) के शोध में यह निष्कर्ष निकला कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों की रूचि में सार्थक अंतर नहीं है। यासर, इब्राहिम (2023) निष्कर्षतः बताया गया कि विद्यालय का सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, प्रेरण और जुड़ाव को बढ़ावा देता है, साथ ही शिक्षक कल्याण और व्यावसायिक संतुष्टि का भी समर्थन करता है। अध्ययन के माध्यम से सकारात्मक विद्यालय वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता को उजागर किया गया। दुबे, निरूपमा (2022) ने पाया गया कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विद्यालयों में उच्च माध्यमिक स्तर के सामान्य बालकों एवं शारीरिक रूप से दिव्यांग बालकों की शैक्षिक रुचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं था। सिंह, ममता (2021) ने अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि रीवा जिले के माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक रूचि में सार्थक अन्तर था। ताम्रकार, ज्योति (2021) ने निष्कर्ष स्वरूप पाया कि अन्य पिछडा वर्ग एवं सामान्य जाति के छात्र/छात्राओं की शैक्षिक रुचि विज्ञान, ललित कला, गृह विज्ञान, कला, वाणिज्य एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में समान थी जबकि सामान्य जाति के छात्र/छात्राओं का चिकित्सा, कृषि, मानविकीय एवं कला की रुचि के क्षेत्र में अन्य पिछडा वर्ग के छात्र–छात्राओं से उच्च पायी गयी। तिवारी, श्वेता (2021) ने अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के छात्रों की एवं माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक रुचि समान थी। सिंह, प्रदीप कुमार (2019) ने निष्कर्षतः पाया गया कि शहरी शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक शिक्षा स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक रूचि में कोई सार्थक अन्तर नहीं था जबकि ग्रामीण शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक शिक्षा स्तर के शिक्षकों की शैक्षिक अभिकचि में सार्थक अन्तर पाया गया। कुमार, अमित (2018) ने पाया शहरी क्षेत्रों की शैक्षिक रूचि उच्च स्तर पर पाई गयी तथा शहरी किशोरों की भांति शहरी किशोरियों पर भी वातावरण का प्रभाव होता है तथा ग्रामीण परिवेश का प्रभाव रहने वाले सभी व्यक्तियों पर पड़ता है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्वः–

वर्तमान दौर भौतिकता और विज्ञान का दौर है। इस समय में विज्ञान की उत्कृष्ट खोज कृत्रिम बुद्धिमत्ता है। जिसने पूरी शैक्षिक प्रक्रिया को प्रभावित किया है। कोरोना काल के बाद से ऑनलाइन कक्षाओं पर भी विद्यार्थियों की निर्भरता बढ़ी है। ऐसे में विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। शिक्षण की इस नई परम्परा ने विद्यार्थियों की पठन शैली का पूर्ण रूप से प्रभावित किया है। जिसका प्रभाव उनकी शैक्षिक रूचि में स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। इसके साथ विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचियों में गहरा प्रभाव डालता है। विद्यालय के संसाधन जैसे पुस्तकालय, उचित पेयजल, शिक्षित तथा अनुभवी शिक्षक, विद्यालयों में होने वाली विभिन्न प्रतियोगितायें तथा कार्यक्रम, विद्यालय का प्रशासन आदि विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक तथा बौद्धिक विकास प्रभावित करते हैं जिससे उनकी शैक्षिक भी प्रभावित होती है। माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी शिक्षा हेतु पूर्णतः विद्यालय पर ही निर्भर होती है। सम्बन्धित साहित्य के अवलोकन तथा विद्यालय वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के प्रभाव के देखते हुए माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातारण के प्रभाव का अध्ययन आवश्यक जान पड़ता है।

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी ने विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव के अध्ययन का शोध विषय बनाया।

समस्या कथन :–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण :–

1. **माध्यमिक स्तरः–** प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर से अभिप्राय माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित कक्षा दसवीं के पाठ्यक्रम से है।
2. **विद्यार्थीः–** प्रस्तुत अध्ययन में विद्यार्थियों से तात्पर्य माध्यमिक स्तर पर दसवीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों से है।
3. **शैक्षिक रूचिः–** प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक रूचि से तात्पर्य माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थियों की एस. पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित मापनी के 7 आयामों कृषि, वाणिज्य, कला, गृह विज्ञान, मानविकी, विज्ञान तथा तकनीकी के प्रति रूचि से है।
4. **विद्यालय वातावरणः–** प्रस्तुत अध्ययन में विद्यालय वातावरण से तात्पर्य डॉ. करूणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित 'विद्यालय वातावरण मापनी' के आयाम सृजनात्मकता, प्रोत्साहन, संज्ञानात्मक प्रोत्साहन, अनुमोदन, स्वीकार्यता, अस्वीकृति और नियंत्रण से है।

अध्ययन के उद्देष्य :–

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना है।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ :–

उद्देश्य के आधार पर निम्न परिकल्पनायें निर्धारित की गयीं–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (उच्च/मध्यम) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (मध्यम/निम्न) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (निम्न/उच्च) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

अध्ययन का सीमांकनः– प्रस्तुत अध्ययन को शाहजहाँपुर महानगर क्षेत्र तक सीमित रखा गया है। इसमें केवल माध्यमिक स्तर के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध विधि :– प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

समग्र (जनसंख्या):– प्रस्तुत शोधकार्य में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् से मान्यता प्राप्त तथा शाहजहाँपुर महानगर क्षेत्र में स्थित समस्त माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को जनसंख्या माना गया है। वर्तमान

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

में शाहजहाँपुर महानगर क्षेत्र में 30 माध्यमिक स्तर के विद्यालय संचालित हो रहे हैं जिनमें लगभग 3200 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। यह सभी विद्यार्थी वर्तमान शोध की जनसंख्या है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श चयन विधिः—

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया है। जिनमें से प्रथम स्तर 25 प्रतिशत विद्यालयों का चयन क्रमागत प्रतिचयन विधि के माध्यम से किया गया जिसमें कुल 30 विद्यालयों में से 7 विद्यालय न्यादर्श के रूप में चयनित हुए। द्वितीय स्तर पर चयनित विद्यालयों में से कक्षा दसवीं में सर्वेक्षण के दिन उपस्थित विद्यार्थियों में से 25 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन क्रमागत प्रतिचयन विधि से किया गया। इस प्रकार कुल 163 विद्यार्थी न्यादर्श के रूप में चयनित हुए।

शोध उपकरण :— प्रस्तुत अध्ययन में मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया। शैक्षिक रूचि के मापन हेतु डॉ. एस. पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित तथा मानकीकृत शैक्षिक रूचि प्रपत्र (2012) तथा विद्यालय वातावरण के मापन हेतु डॉ. के.एस. मिश्रा द्वारा निर्मित तथा मानकीकृत विद्यालय वातावरण मापनी (2016) का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय तकनीकियाँ :— प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन तथा टी—अनुपात सांख्यिकीय तकनीकियों का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं निर्वचनः—

परिकल्पना 01:— माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (उच्च/मध्यम) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

क्र. सं.	क्षेत्र	उच्च विद्यालय वातावरण के विद्यार्थी (N= 33)		मध्यम विद्यालय वातावरण के विद्यार्थी (N= 79)		मानक त्रुटि	टी—मान
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
1	कृषि सम्बन्धी रूचि	7.79	3.08	7.71	3.70	0.679	0.116
2	वाणिज्य सम्बन्धी रूचि	6.76	3.87	7.18	3.61	0.786	0.534
3	ललित कला सम्बन्धी रूचि	6.79	3.30	6.52	3.89	0.722	0.373
4	गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि	6.97	4.03	6.33	3.79	0.820	0.781
5	मानविकी सम्बन्धी रूचि	7.45	3.45	5.89	3.92	0.745	2.106*
6	विज्ञान सम्बन्धी रूचि	8.15	3.50	6.49	4.09	0.763	2.172*
7	तकनीकी सम्बन्धी रूचि	7.79	4.08	6.81	4.40	0.865	1.133
कुल शैक्षिक रूचि		51.70	11.62	46.84	12.33	2.453	1.982*

0.05 सार्थकता स्तर पर टी—मान = 1.96 *अन्तर सार्थक।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयामों– कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि से सम्बन्धित टी–मान क्रमशः 0.116, 0.534, 0.373, 0.781 तथा 1.133 प्राप्त हुए जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 1.96 से कम हैं जो इन समूहों के मध्य निरर्थक अन्तर को प्रदर्शित करता है। अतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की की शैक्षिक रूचि के आयामों– कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि पर विद्यालय के वातावरण (उच्च/मध्यम) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। जबकि माध्यमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयामों– मानविकी सम्बन्धी रूचि, विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा कुल शैक्षिक रूचि से सम्बन्धित टी–मान क्रमशः 2.016, 2.172 तथा 1.982 प्राप्त हुए जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 1.96 से अधिक हैं जो इन समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को प्रदर्शित करता है। अतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयामों– मानविकी सम्बन्धी रूचि, विज्ञान सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि पर विद्यालय के वातावरण (उच्च/मध्यम) का सार्थक प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार परिकल्पना 01 आंशिक रूप से अस्वीकृत हुई है।

परिकल्पना 02:– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (मध्यम/निम्न) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

क्र. सं.	क्षेत्र	मध्यम विद्यालय वातावरण के विद्यार्थी (N= 79)		निम्न विद्यालय वातावरण के विद्यार्थी (N= 51)		मानक त्रुटि	टी–मान
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
1	कृषि सम्बन्धी रूचि	7.71	3.70	6.75	3.27	0.619	1.556
2	वाणिज्य सम्बन्धी रूचि	7.18	3.61	6.00	3.25	0.610	1.930
3	ललित कला सम्बन्धी रूचि	6.52	3.89	5.65	3.13	0.620	1.407
4	गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि	6.33	3.79	6.02	3.22	0.621	0.499
5	मानविकी सम्बन्धी रूचि	5.89	3.92	6.34	4.11	0.725	0.626
6	विज्ञान सम्बन्धी रूचि	6.49	4.09	6.47	4.09	0.734	0.031
7	तकनीकी सम्बन्धी रूचि	6.81	4.40	6.88	4.19	0.768	0.097
कुल शैक्षिक रूचि		46.84	12.33	43.00	12.74	2.260	1.697

0.05 सार्थकता स्तर पर टी–मान = 1.96

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के मध्यम तथा निम्न विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयामों– कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि, मानविकी सम्बन्धी रूचि, विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि से सम्बन्धित टी–मान क्रमशः 1.55, 1.93, 1.40, 0.499, 0.626, 0.031, 0.097 तथा 1.697 प्राप्त हुए जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका

मान 1.96 से कम हैं जो इन समूहों के मध्य निरर्थक अन्तर को प्रदर्शित करता है। अतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की की शैक्षिक रूचि के आयामों– कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि, मानविकी सम्बन्धी रूचि, विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि पर विद्यालय के वातावरण (मध्यम / निम्न) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। इस प्रकार परिकल्पना 02 अस्वीकृत नहीं हुई है।

परिकल्पना 03:– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण (निम्न / उच्च) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

क्र. सं.	क्षेत्र	निम्न विद्यालय वातावरण के विद्यार्थी (N= 51)		उच्च विद्यालय वातावरण के विद्यार्थी (N= 33)		मानक त्रुटि	टी–मान
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
1	कृषि सम्बन्धी रूचि	6.75	3.27	7.79	3.08	0.705	1.478
2	वाणिज्य सम्बन्धी रूचि	6.00	3.25	6.76	3.87	0.812	0.933
3	ललित कला सम्बन्धी रूचि	5.65	3.13	6.79	3.30	0.722	1.580
4	गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि	6.02	3.22	6.97	4.03	0.834	1.140
5	मानविकी सम्बन्धी रूचि	6.34	4.11	7.45	3.45	0.831	1.341
6	विज्ञान सम्बन्धी रूचि	6.47	4.09	8.15	3.50	0.836	2.010*
7	तकनीकी सम्बन्धी रूचि	6.88	4.19	7.79	4.08	0.921	0.983
कुल शैक्षिक रूचि		43.00	12.74	51.70	11.62	2.697	3.224*

0.05 सार्थकता स्तर पर टी–मान = 1.96 *अन्तर सार्थक।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के उच्च तथा मध्यम विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयामों– कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि, मानविकी सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि से सम्बन्धित टी–मान क्रमशः 1.478, 0.933, 1.580, 1.140, 1.341 तथा 0.983 प्राप्त हुए जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 1.96 से कम हैं जो इन समूहों के मध्य निरर्थक अन्तर को प्रदर्शित करता है। अतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की की शैक्षिक रूचि के आयामों– कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि, मानविकी सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि पर विद्यालय के वातावरण (निम्न / उच्च) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। जबकि माध्यमिक स्तर के निम्न तथा उच्च विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयाम– विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा कुल शैक्षिक रूचि से सम्बन्धित टी–मान क्रमशः 2.010 तथा 3.224 प्राप्त हुए जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 1.96 से अधिक हैं जो इन समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को प्रदर्शित करता है। अतः कहा जा सकता है

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयाम— विज्ञान सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि पर विद्यालय के वातावरण (उच्च/मध्यम) का सार्थक प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार परिकल्पना 03 आंशिक रूप से अस्वीकृत हुई है।

निष्कर्षः—

1- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की की शैक्षिक रूचि के आयामों— कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि पर विद्यालय के वातावरण (उच्च/मध्यम) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। जबकि विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयामों— मानविकी सम्बन्धी रूचि, विज्ञान सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि पर विद्यालय के वातावरण (उच्च/मध्यम) का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

2- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की की शैक्षिक रूचि के आयामों— कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि, मानविकी सम्बन्धी रूचि, विज्ञान सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि पर विद्यालय के वातावरण (मध्यम/निम्न) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

3- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की की शैक्षिक रूचि के आयामों— कृषि सम्बन्धी रूचि, वाणिज्य सम्बन्धी रूचि, ललित कला सम्बन्धी रूचि, गृह विज्ञान सम्बन्धी रूचि, मानविकी सम्बन्धी रूचि तथा तकनीकी सम्बन्धी रूचि पर विद्यालय के वातावरण (निम्न/उच्च) का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। परन्तु विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि के आयाम— विज्ञान सम्बन्धी रूचि एवं कुल शैक्षिक रूचि पर विद्यालय के वातावरण (उच्च/मध्यम) का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

शैक्षिक उपयोगिताः—

अध्ययन में प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अतः विद्यालय का वातावरण उच्च होगा तो विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि भी उच्च स्तर की होगी। इस प्रकार विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि को बढ़ाने हेतु विद्यालय वातावरण का बेहतर होना आवश्यक है। शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, प्रबन्धकों तथा नीति नियताओं को चाहिए कि वह अपने—अपने स्तर विद्यालय वातावरण को बेहतर बनाने हेतु सकारात्मक प्रयास करें जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि को बढ़ाया जा सके।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः—

- **Kaushik, P. (2025).** Effectiveness Of E-Learning on Students' Interest and Achievement in Trigonometry at Class-X Level. [Doctoral Dissertation, Cotton University, Guahati]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/645960
- **कुमारी, आर. (2025).** माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण का समायोजन पर प्रभाव का अध्ययन. *International Journal of Education and Science Research Review*, 12(2), 91-102. https://ijesrr.org/publication/107/63.%20ijesrr%20march%202025.pdf
- **Yasar, I. (2023).** The power of positive school climate: A review of its Impact on Student outcomes and Teacher well-being'. *14th International Conference on Culture, Civilization and Social Sciences (Proceeding Book).* 16-18 March, 2023, Buenos Aires, Argentina. Retrieved from : https://www.researchgate.net/publication/369528855_THE_POWER_OF_POSITIVE_SCHOOL_CLIMATE_A_REVIEW_OF_ITS_IMPACT_ON_STUDENT_OUTCOMES_AND_TEACHER_WELL-BEING
- **कुमार, एस. (2024).** उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी रूचि, आकांक्षा स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक

अध्ययन. [Doctoral Dissertation, Veer Bahadur Singh Purwanchal University, Jaunpur, U.P.]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/65120

- **गुप्ता, प्रो. एस.पी. एवं गुप्ता, डॉ. अलका (2022),** 'सांख्यिकीय विधियाँ', इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन, युनिवर्सिटी रोड।
- **दुबे, एन. (2022)**. उच्च माध्यमिक स्तर के शारीरिक रूप से दिव्यांग एवं सामान्य बालकों की शैक्षिक रुचि एवं समायोजन में तुलनात्मक अध्ययन. [Doctoral Dissertation, Jiwaji University, Gwalior, M.P.]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/436521
- **सिंह, एम. (2021)**. *रीवा जिले के माध्यमिक स्तर के अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं की शैक्षिक रुचि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के सम्बन्ध का अध्ययन.* [Doctoral Dissertation, Awadhesh Pratap Singh University, Reewa (M.P.)]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/392154
- **ताम्रकार, जे. (2021)**. *सागर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य जाति के विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति, संवेगात्मक परिपक्वता एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन.* [Doctoral Dissertation, Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya University, Chitrakoot, U.P.]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/363394
- **तिवारी, एस. (2021).** माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि एवं सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन. *International Journal of All Research Education and Scientific Methods (IJARESM)*, 9(3),
- **सिंह, पी.के. (2020)**. *माध्यमिक शिक्षा स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षकों की शैक्षिक अभिरुचि एवं शैक्षिक अभिक्षमता के प्रभाव का अध्ययन-* [Doctoral Dissertation, Awadhesh Pratap Singh University, Reewa, M.P.]. Shodhganga Repository. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/301333
- **गुप्ता, प्रो. एस.पी. (2020),** 'अनुसंधान संदर्शिका (सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवं प्रविधि)', प्रयागराजः शारदा पुस्तक भवन, युनिवर्सिटी रोड।
- **कुमार, ए. (2018)** 'शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन'. *Shrinkhala Ek Shodhparak Vaicharik Patrika*, 5(6), 5-8.
- **गुप्ता, एस.पी. एवं गुप्ता, ए. (2018).** *उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान : सिद्धान्त एवं व्यवहार.* शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- **कपिल, एच.के. (2015),** 'अनुसंधान विधियाँ (व्यवहार परक विज्ञानों में)', आगराः भार्गव बुक हाउस, कचहरी घाट।
- **नायक, आर. एवं रूहेला, एस. (2012).** *उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा(तृतीय संस्करण).* अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।

Cite this Article:

राम औतार सिंह[1] एवं प्रो0 (डॉ.) प्रभात शुक्ल[2],“ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन विवेचन ” *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 02, pp.105- 113, December 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

राम औतार सिंह[1] एवं प्रो0 (डॉ.) प्रभात शुक्ल[2]

For publication of research paper title

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-02, Month December 2025, Impact Factor-RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/

DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i2.16